

प्रेषक,

टीकम सिंह पंवार,
उप सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तरांचल,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून, दिनांक, 17 फरवरी, 2004

विषय:-

जिला योजना के अन्तर्गत नलकूप निर्माण हेतु पुनर्विनियोग द्वारा आवंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं0 4184/मु0अ0वि0/बजट/वी-1 दिनांक 29.11.2003 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि नलकूप निर्माण हेतु जिला अनुश्रवण समितियों से संस्तुत परिव्यय एवं नियोजन विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये परिव्यय के अन्तर की प्रतिपूर्ति हेतु संलग्न बी0एम0-15 पर अंकित अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से व्यावर्तन द्वारा रु0 147.00 लाख (रुपये एक करोड़ सैंतालौस लाख मात्र) की धनराशि व्यय करने की स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष प्रदान करते हैं।

- 1- सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल चालू कार्यों के विरुद्ध ही किया जाय, व्यय केवल उन्ही योजनाओं के अन्तर्गत किया जाय जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है, तथा जिन योजनाओं की स्वीकृति प्राप्त है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे। जिला योजना से सम्बन्धित कार्यों पर व्यय जिला अनुश्रवण समिति द्वारा स्वीकृत परिव्यय एवं इसके अन्तर्गत अनुमोदित योजनाओं के अनुसार ही किया जाय।
- 2- धनराशि व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति एवं कार्यों के प्राक्कलन सक्षम अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- 3- उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्ती हस्तपुस्तिका, स्टोर पर्चेज, रुल्स, टेडर/कुटेशन विषयक नियम मितव्यता के विषय में शासन के आदेश तथा शासन द्वारा इस विषय में समय-समय पर जारी किये गये अन्य आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 4- स्वीकृत धनराशि का खण्डवार विभाजन/फांट मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष सिं0 वि0 उत्तरांचल द्वारा किया जायेगा, जिसका विवरण शासन को भी उपलब्ध कराया जायेगा। जिला योजना की फांट जिला अनुश्रवण समिति द्वारा स्वीकृत परिव्यय के आधार पर की जाय।



क्रमशः.....2

- 5- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूगर्भ वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आख्या प्राप्त कर ली जाय तथा कार्यों के सम्बन्ध में यथोचित भूकम्प निरोधी तकनीकी का प्रयोग किया जाय।
- 6- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक माह के अन्त में नियमानुसार निर्धारित तिथि तक महालेखाकार उत्तरांचल एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।
- 7- कार्य की समय बद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 8- स्वीकृत की जा रही धनराशि उपभोग 31.03.2004 तक कर दिया जायेगा और इसमें कृत कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। यदि कोई धनराशि अवशेष रह जाती है तो शासन को समर्पित कर दी जायेगी।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2003-04 में अनुदान सं०-20 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में लेखाशीर्षक 4701-मुख्य तथा मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परियोजना-01-मध्यम सिंचाई वाणिज्यिक आयोजनागत-140-नलकूपों का निर्माण (जिला योजना) 91-नलकूपों का निर्माण (जिला योजना) - 00-24-बृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

उक्त आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-2860/वि० अनु० -3/2004 दिनांक, 13 फरवरी, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें हैं।

संलग्न:-यथोक्त।

भवदीय,

(टीकम सिंह पंवार)
उप सचिव।

656
संख्या /नौ-1-सि० (55 बजट/03)/2004/तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वित्त विभाग (वित्त अनुभाग-3), उत्तरांचल शासन।
- 3- श्री एम०एल०पन्त, अपर सचिव, वित्त, बजट अनुभाग उत्तरांचल शासन।
- 4- नियोजन विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 5- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री।
- 6- निजी सचिव, मा० मंत्री सिंचाई बाढ़ नियन्त्रण एवं लघु सिंचाई को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
- 7- अधिशासी निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तरांचल शासन।
- 8- समस्त कोषाधिकारी/जिलाधिकारी उत्तरांचल।
- 9- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10- गार्ड फाईल हेतु।

संलग्नक:-यथोक्त।

(टीकम सिंह पंवार)
उप सचिव।